



# भारत का गज़तपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—कांड 3—उप-कांड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 110]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 27, 1981/चंद्र 6, 1903

No 110]

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 27, 1981/CHAITRA 6, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न बोर्ड जाती है जिससे फिर यह अलग सफलतम के रूप में रखा जा सके।  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त भंगालय  
(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 27 मार्च, 1981  
क्रम्भीय उत्पाद-शुल्क

सांकेतिक 215(अ) — केन्द्रीय मरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 174-के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा भरना लाकहित में आवश्यक और समीचील है, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली प्रत्युत्तीकी की मद सं० 68 के अन्तर्गत आने वाले और उस पर उद्योगीय सम्पूर्ण उत्पाद-शुल्क से छूट प्राप्त माल को किसी वित्तीय वर्ष में की गई निकासियों के मूल्य के प्राप्तार पर उतने समय तक, जब तक उसे उक्त नियमों के नियम 8 के प्रधीन जारी की गई अधिसूचना के निवन्धनों के अनुसार या इस तथ्य के कारण कि उसका भारत के बाहर वित्तीय कारण के कारण कि उसका भारत से छूट देती है, उस पर उद्योगीय सम्पूर्ण उत्पाद-शुल्क से छूट प्राप्त रहती है, उक्त नियमों के नियम 174 के प्रवर्तन से छूट देती है।

परन्तु इस अधिसूचना में अनिवार्य दृष्टि निम्नलिखित शर्तों के प्रधीन रहते हुए लागू होगी अर्थात् —

(i) किसी विभिन्नता द्वारा या उसकी ओर से एक या अधिक कारणों से, यथास्थिति निर्धारित या दृष्टि उपभोग या दोनों के लिए निकासी किए गए उक्त माल का मकानित मूल्य किसी वित्तीय वर्ष में पांच लाख रुपया में अधिक नहीं है, और

(ii) उक्त माल, भारतीय अधिनियम, 1948 (1945 का 63) की धारा 2 के कांड (3) में परिभाषित भारतीय में वित्त वित्तीय वर्ष में विनियमित किया जाता है?

2. यह अधिसूचना 1 मर्च, 1981 का प्रदूष होगी।

[अधिसूचना सं० 80/81 के ०३०४०/

फा० सं० 213/5/81-ने, ०३०४०-८]

डी० महता, अवर सचिव

**MINISTRY OF FINANCE**  
**(Department of Revenue)**

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 27th March, 1981

**CENTRAL EXCISES**

**G.R. 215(E).**—In exercise of the powers conferred by rule 174-A of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government, being satisfied that it is necessary and expedient in the public interest so to do, hereby exempts from the operation of rule 174 of the said Rules, the goods falling under Item No. 68 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and exempted from the whole of the duty of excise leviable thereon on the basis of value of clearances made in a financial year so long as they remain exempt from the whole of the duty of excise leviable thereon in terms of the notification issued under

rule 8 of the said Rules or on account of the fact that they are being exported out of India :

Provided that the exemption contained in this notification shall apply subject to the following conditions namely :—

- (i) the aggregate value of the said goods cleared by or on behalf of a manufacturer from one or more factories, for export or home consumption or both, as the case may be, does not exceed rupees five lakhs in a financial year, and
- (ii) the said goods are manufactured in a factory other than a factory defined in clause (m) of section 2 of the Factories Act, 1948 (63 of 1948).

2. This notification shall come into force on the 1st day of April, 1981.

[Notification No. 80/81-CH F. No. 213/5/81-CX. 6]  
D. MEHTA, Under Secy.